8. अधोलिखित में से किसी **एक** अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए :

(अ) अनुप्रास

(ब) उपमा

(स) रूपक

(द) स्वभावोक्ति

9. पउमचरिउ के आधार पर सीता के विद्रोहिणी पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. 'पउमचरिउ' के आधार पर रामकथा के वैलक्षण्य की चर्चा कीजिए।

11. ''करकण्डुचरिउ भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं लोकजीवन का अनुपम भण्डार है।'' इस वाक्य को सोदाहरण विशद समीक्षा कीजिए।

12. सावयधम्मदोहा की वर्तमान समय में क्या उपयोगिता है ? इस पर विशद लेख लिखिए।

13. 'पाउडदोहा' के आधार पर आध्यात्मिक ज्ञान के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

CAL–02

December – Examination 2022

Certificate in Apabhransha Language Examination

अपभ्रंश भाषा में प्रमाण पत्र

(अपभ्रंश काव्य छन्द, मात्रिक एवं अलंकार)

Paper : CAL–02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) योगीन्दु का काल बताइए।

(ii) 'णायकुमारचरिउ' के प्रणेता कौन हैं ?

निम्नलिखित गाथाओं को पूरा कीजिए :

(iii) अप्पा ..... भाउ॥

(iv) जासु ण ..... // ण माणु।

(v) णिच्चु णिरंजणु ..... भाउ॥

(vi) हेमचन्द्र की माता का नाम क्या था ?

(vii) 'गाहा' छन्द का लक्षण प्रस्तुत कीजिए।

(viii) 'पउमचरिउ' के अनुसार बलएव किस पात्र का नाम है ?

(ix) **त्रेसठ** शलाका पुरुष कौनसे हैं ?

(x) विशेषोक्ति अलंकार का लक्षण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. निम्नलिखित गाथाओं में से किसी **एक** का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

ते बोल्लावहिँ भो गिहि आवहि एहि-एहि मा भयवसु धावहि।

कं दिवसु वि होसइ आरिसाहुँ कञ्चुइ-अवत्थ अम्हारिसाहुँ॥

अथवा

दुज्जणु सुहियउ होउ जगि सुयणु पयासिउ जेण।

अमिउ विसें वासरु तमिण जिम मरगउ कच्चेण॥

3. 'सुदसंण्णचरिउ' की कथा को संक्षेप में समझाइए।

4. परमात्मप्रकाश का सामान्य परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गाथाओं में से किसी **एक** का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

पुणु पुणु पणविवि पंच-गुरु भावेँ चित्ति धरेवि।

भट्टपहायर णिसुणि तुहुँ अप्पा तिविहु कहेवि॥

अथवा

इय जाणेविणु सीलु परिपालिज्जएँ माएँ महासइ।

णं तो लाहु णियंतिहेँ हलेँ मूलछेउ तुह होसइ॥

6. अधोलिखित में से किसी **एक** छन्द का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए :

(अ) जम्भेटिया

(ब) चारुपद

(स) पद्धडिया

(द) अडिल्ल

7. नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य-बोध व्यक्ति के जीवन को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ? इसकी समीक्षा धण्णकुमारचरिउ के अनुसार कीजिए।